



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 28 मई, 2026

जारी करने का समय: 1530 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में आज से भीषण लू की स्थिति में कमी आने की संभावना है, हालांकि राजस्थान, विदर्भ और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में यह जारी रह सकती है और कल से इसमें काफी कमी आ सकती है।

(ii) अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में तथा आज, 28 मई को दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

(iii) 28 से 31 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भीषण आंधी-तूफान की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (परिशिष्ट I):**

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 27 मई 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर के शेष हिस्सों और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ गया है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, पूर्वी मध्य और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
- ❖ 27 मई 2026 को मानसून की उत्तरी सीमा  $9^{\circ}\text{N}/60^{\circ}\text{E}$ ,  $8.5^{\circ}\text{N}/65^{\circ}\text{E}$ ,  $8^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$ ,  $7.5^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$ ,  $8^{\circ}\text{N}/80^{\circ}\text{E}$ ,  $11^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$ ,  $15^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$ ,  $19^{\circ}\text{N}/95^{\circ}\text{E}$  और  $21^{\circ}\text{N}/97^{\circ}\text{E}$  से होकर गुजरती है।

**❖ आज, 28 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ ओडिशा, केरल, माहे और असम में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा और झारखंड में कुछ स्थानों पर 70-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, उत्तराखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ ओडिशा के मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रही; पश्चिमी राजस्थान के कई स्थानों पर; उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर; विदर्भ, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर लू की स्थिति रही।

## आज सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (दिनांक 27-05-2026): कल, उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत, उत्तर प्रदेश से सटे क्षेत्रों, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 43-47 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में 40-43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (दिनांक 27-05-2026): कल, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक ( $> 5.1^{\circ}\text{C}$ ) रहा; पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक ( $3.1^{\circ}\text{C}$  से  $5.0^{\circ}\text{C}$ ) रहा। पंजाब के अधिकांश स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक ( $3.1^{\circ}\text{C}$  से  $5.0^{\circ}\text{C}$ ) रहा; अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, कोंकण और गोवा, विदर्भ और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक ( $1.6^{\circ}\text{C}$  से  $3.0^{\circ}\text{C}$ ) रहा। छत्तीसगढ़ के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक ( $1.6^{\circ}\text{C}$  से  $3.0^{\circ}\text{C}$ ) रहा। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उत्तराखंड, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ तथा लक्षद्वीप में कुछ स्थानों पर; ओडिशा और मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट स्थानों पर। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा केरल और माहे में कई स्थानों पर तापमान सामान्य के आसपास ( $-1.5^{\circ}\text{C}$  से  $1.5^{\circ}\text{C}$ ) रहेगा; तटीय कर्नाटक में अधिकांश स्थानों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मराठवाड़ा और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर; रायलसीमा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और पश्चिमी मध्य प्रदेश में रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान (28-05-2026 तक) सामान्य से काफी अधिक ( $3.1^{\circ}\text{C}$  से  $5.0^{\circ}\text{C}$ ) था। केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी भारत में यह सामान्य से अधिक ( $1.6^{\circ}\text{C}$  से  $3.0^{\circ}\text{C}$ ) था, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य से कम या सामान्य के आसपास था।

## मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ पंजाब और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण अब उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर स्थित है।
- ❖ मध्य उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण अब उत्तरी झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर स्थित है।
- ❖ यह गर्त अब उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के चक्रवाती परिसंचरण से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक, उत्तरी झारखंड और आसपास के क्षेत्रों तथा ओडिशा के चक्रवाती परिसंचरण को पार करते हुए समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है।
- ❖ समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर स्थित पछुआ हवाओं का गर्त अब लगभग  $90^{\circ}$  पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश  $21^{\circ}$  उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और अब समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर दिखाई दे रहा है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और आसपास के क्षेत्र में ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और अब यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है।
- ❖ पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी में ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और अब यह समुद्र तल से 1.5 से 7.6 किमी ऊपर देखा जा रहा है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

❖ **पूर्वोत्तर भारत:**

- ❖ 28 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 28 मई और 1 से 3 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तथा 28 मई और 31 मई से 3 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

❖ **दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:**

- ❖ आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और तेलंगाना में 28 मई से 1 जून के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 31 मई से 1 जून के दौरान, और रायलसीमा में 30 से 31 मई के दौरान, गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ छिटपुट से मध्यम वर्षा की संभावना है।
- ❖ आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में 28 से 29 मई के दौरान, और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 28 से 30 मई के दौरान, गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली और 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 से 31 मई के दौरान, केरल और माहे में 28 से 29 मई और 1 से 3 जून के दौरान, और लक्षद्वीप में 1 से 3 जून के दौरान छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। 28 मई को आंतरिक कर्नाटक में।

❖ **पूर्वी भारत:**

- ❖ 28 मई से 3 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, साथ ही 28 और 29 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, साथ ही 1 से 3 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में, और 31 मई और 1 जून को बिहार में, छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 28 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, और 29 मई को बिहार में, गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 28 से 31 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में, और 28 और 30 मई को बिहार में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 से 31 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 28 मई को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 29 मई को बिहार में, और 28 से 30 मई के दौरान ओडिशा में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को बिहार में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

**उत्तर-पश्चिम भारत:**

- ❖ 30 मई को जम्मू-कश्मीर में, 28 और 29 मई को हिमाचल प्रदेश में, और 28 से 30 मई के दौरान उत्तराखंड में गरज, बिजली और तेज हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 31 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में, 31 मई से 2 जून तक पश्चिमी राजस्थान में और 31 मई से 3 जून तक पूर्वी राजस्थान में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 29 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा और 100 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।

- ❖ 28 और 29 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में, 28 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटा और 90 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 28 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 29 मई को पश्चिमी राजस्थान में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 29 और 30 मई को।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में 28 और 29 मई को, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 30 मई को, और राजस्थान में 28 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 मई को, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 और 29 मई को, और पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 29 मई को अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 28 और 29 मई को अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।

#### **मध्य भारत:**

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 मई से 1 जून तक, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 28 मई से 1 जून तक, और छत्तीसगढ़ में 1 जून से, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 से 31 मई तक, पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को, और छत्तीसगढ़ में 28 से 31 मई तक गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 31 मई को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को, और छत्तीसगढ़ में 28 मई को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

#### **पश्चिम भारत:**

- ❖ 31 मई से 3 जून के दौरान कोंकण और गोवा में, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 28 मई से 31 मई से 3 जून के दौरान, तथा गुजरात राज्य के तटीय क्षेत्रों में 29 मई से 3 जून के दौरान, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 31 मई से 2 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।

#### **अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:**

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 6-8°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ मध्य भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ पूर्वी भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 28 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ महाराष्ट्र में 25 मई तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होने की संभावना है, और 26 मई से 31 मई के बीच इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 29 मई से 31 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 31 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

❖ **लू, उमस और गर्मी की चेतावनी:**

- ❖ छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 30 मई को, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 29 मई को, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 28-29 मई के दौरान, और तेलंगाना में 29-30 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है। साथ ही, पश्चिमी राजस्थान में 28-29 मई के दौरान, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और विदर्भ में 28 मई को भीषण लू चलने की भी संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 28-31 मई के दौरान, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा में 28 मई को, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28-29 मई के दौरान, और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 30 मई से 1 जून के दौरान उमस और गर्मी रहने की संभावना है।
- ❖ 28 मई को विदर्भ के कुछ इलाकों में रात में गर्म मौसम रहने की संभावना है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:**

**मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:**

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 28 मई से 2 जून, 2026 तक मन्नार की खाड़ी, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के आसपास और उससे दूर, दक्षिण और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में। 28 से 30 मई तक पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास और उससे दूर, उत्तर ओडिशा के तटों से सटे, और 28 मई से 2 जून, 2026 तक अंडमान सागर के कई हिस्सों में।
- ❖ अरब सागर: 28 मई, 2026 को दक्षिण अरब सागर के मध्य भागों में। 28 मई से 2 जून, 2026 के दौरान कोमोरिन क्षेत्रों के ऊपर, 29 मई से 31 मई, 2026 के दौरान उत्तरी गुजरात तट और उससे सटे उत्तरपूर्वी अरब सागर के आसपास, और 28 मई से 2 जून, 2026 के दौरान सोमालिया तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों के आसपास।

**दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 25 से 28 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ केरल और माहे: मट्टनचेरी 10, वैक्कोम 9, चेरथला 8, वेंकुरिंजी 8, मनकोम्पु 7, वैकोम 7, पल्लुरुथी 7
- ❖ असम और मेघालय: जोरहाट (10)
- ❖ ओडिशा: अतामालिक(8)

**तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: लॉन्गत्लाई 91, मनपाथर 52, गोकुलपुर 48, महारानी 43, अगरतला 40
- ❖ ओडिशा: राउरकेला 76, भुवनेश्वर 72, जनहुकुडा 70, बेनाकुडा 68, क्यौंझर 67, उदयगिरि 61, सोनपुर 61, भवानीपटना 59, विश्वविद्यालय 54, कटक 52, मयूरभंज 52, रानीताल 48, चिपिलिमा 41
- ❖ झारखंड: सिमडेगा 76, दारीसाई 56, बहरागोड़ा 41, सरायकेला 41
- ❖ छत्तीसगढ़: माना 68

- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: हृगली 65, अलीपुर 60, निमपिथ 59, उलुबेरिया 57, झाड़ग्राम 56, पुरुलिया 56, बर्दवान 56, कल्याणी 48, खड़गपुर 48, कालना 44, बीजपुर 44, दमदम 44, नंदकुमार 43
- ❖ तेलंगाना: रामगिरि\_खिला 59, रार्स\_पोलासा\_जगतियाल 50, प्रकाशम\_जम्मीकुंटा 50, पालेम 41, ममनूर 41, कावेरी\_सिद्दीपेट 41
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: लाम गुंदूर 50, मारुतेरू 48, पेद्दापुरम 41
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: अशोकनगर 50
- ❖ पंजाब: मोहाली 48, चंडीगढ़ 43
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 46
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा नंदुरबार 44, कलवान 41
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: Jmu43,
- ❖ उत्तराखंड: पंतनगर 43, रानीचौरी 41
- ❖ हरियाणा: पंचकुला 43 करनाल 43
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: सेतु\_भास्कर\_एगी\_कॉलेज\_कर 41, तिरुचेंदूर 41
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 40

अनुलग्नक I

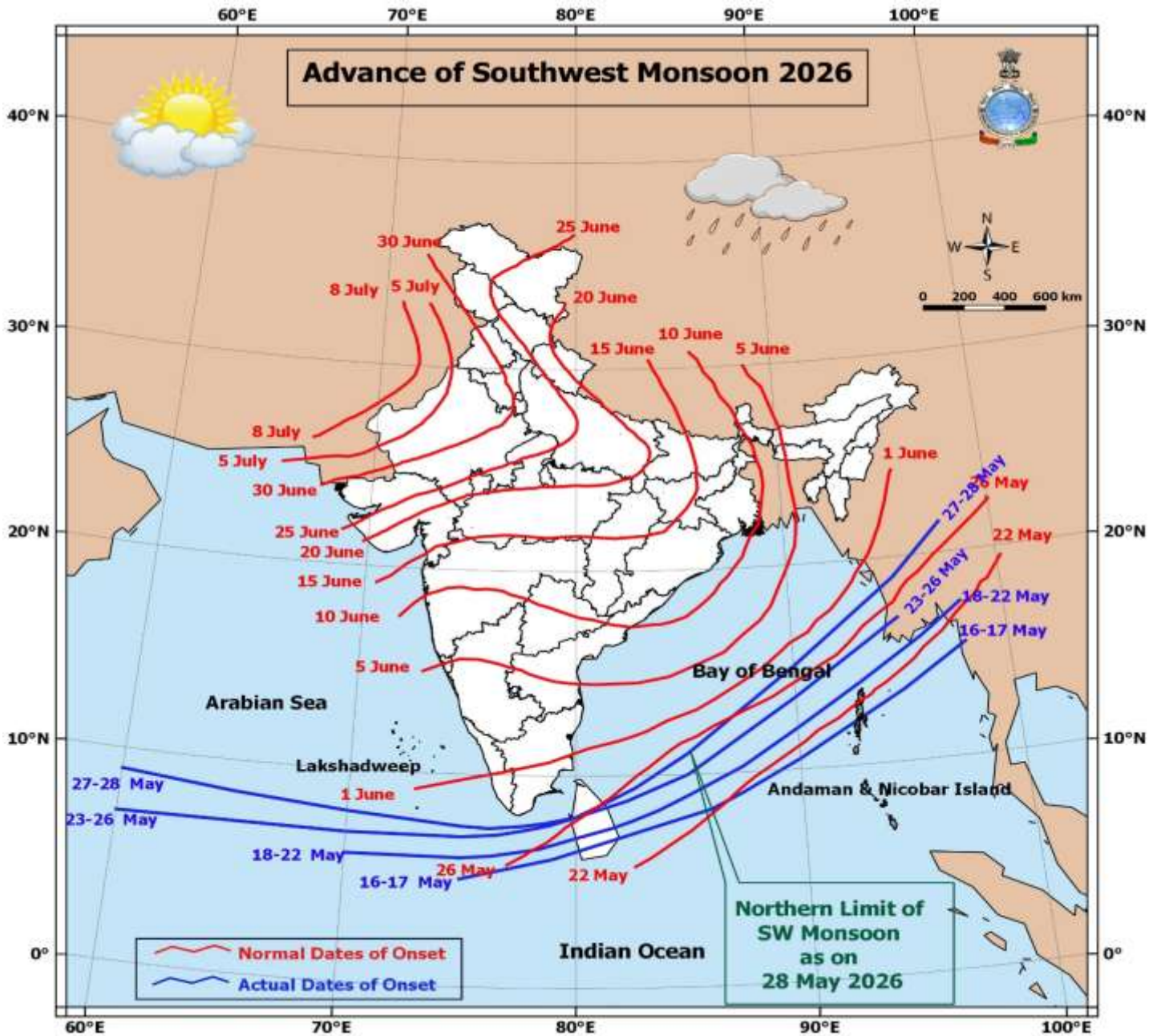
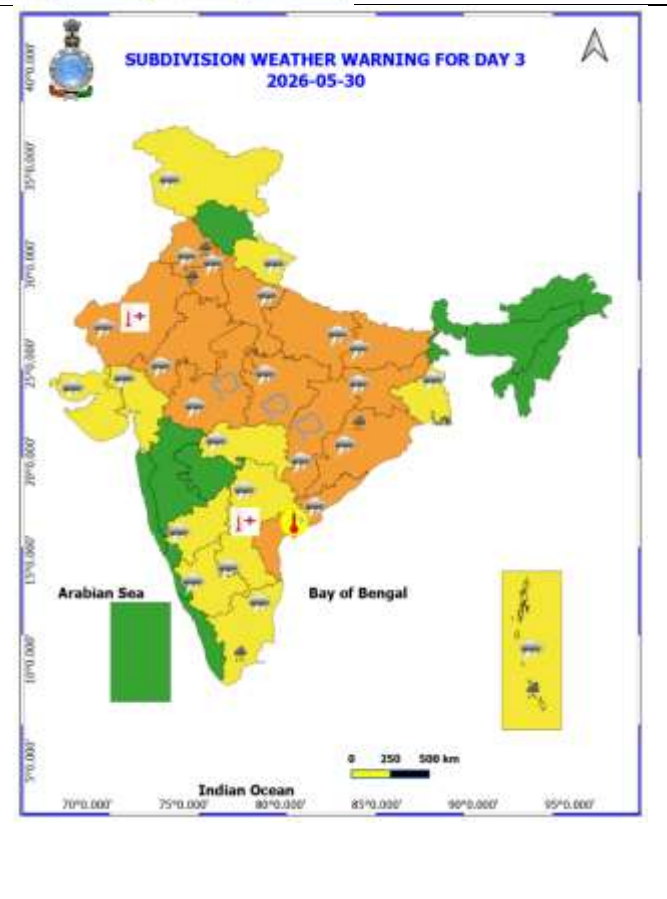
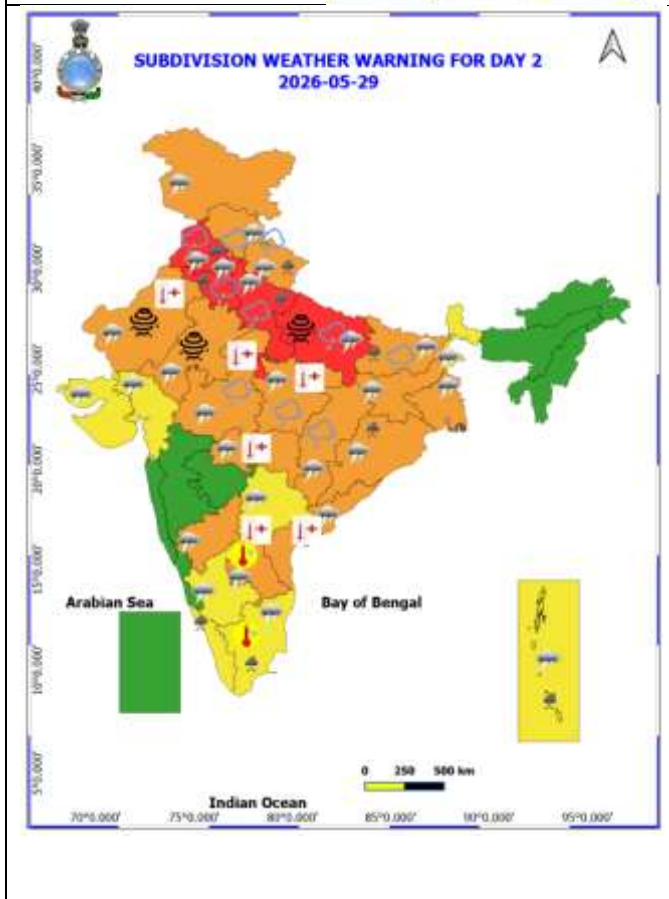
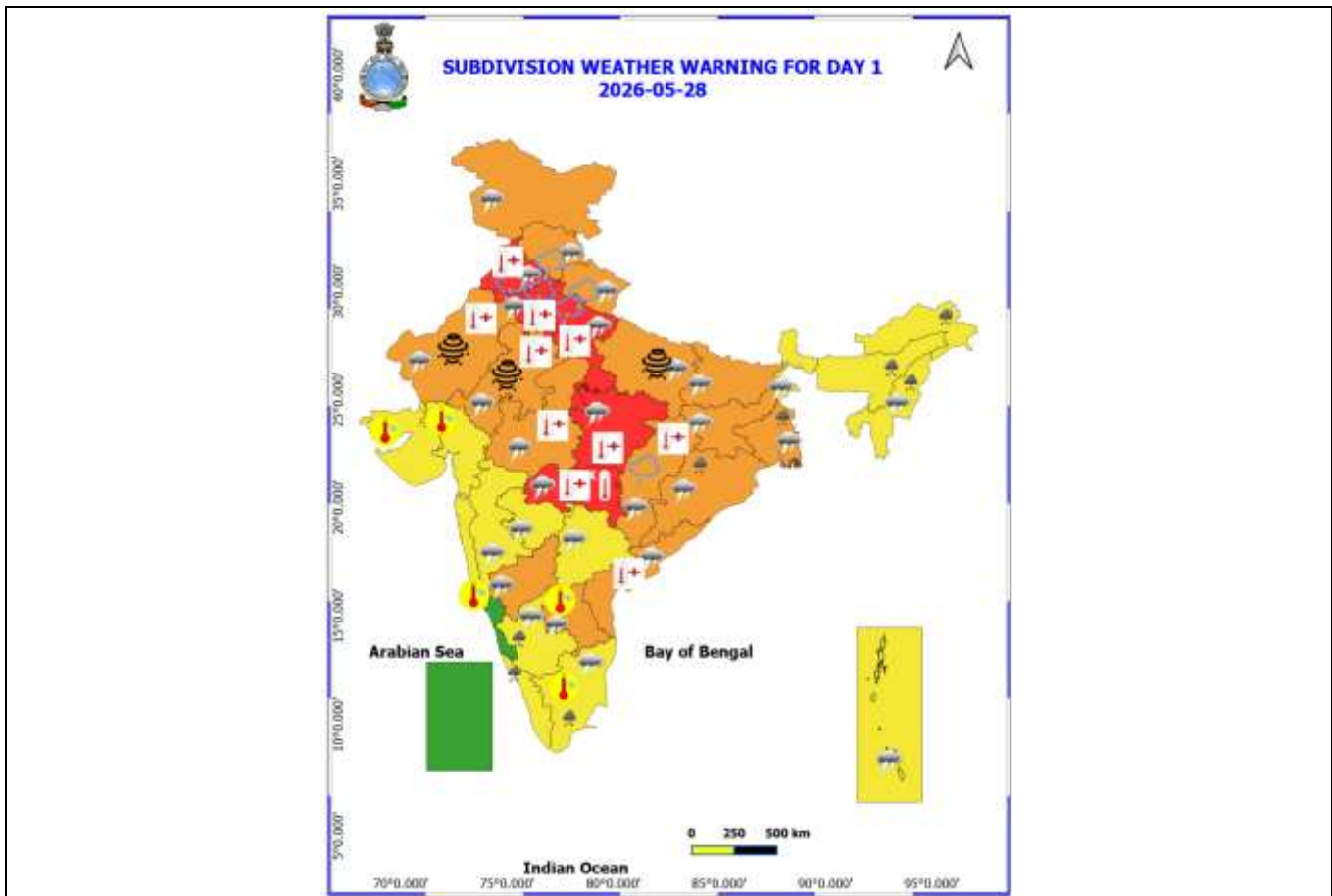
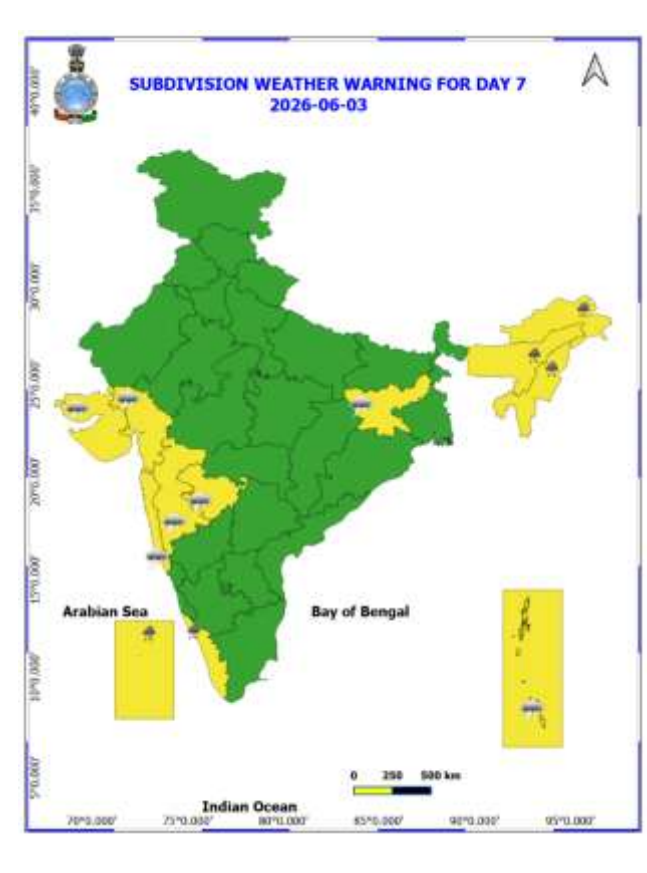
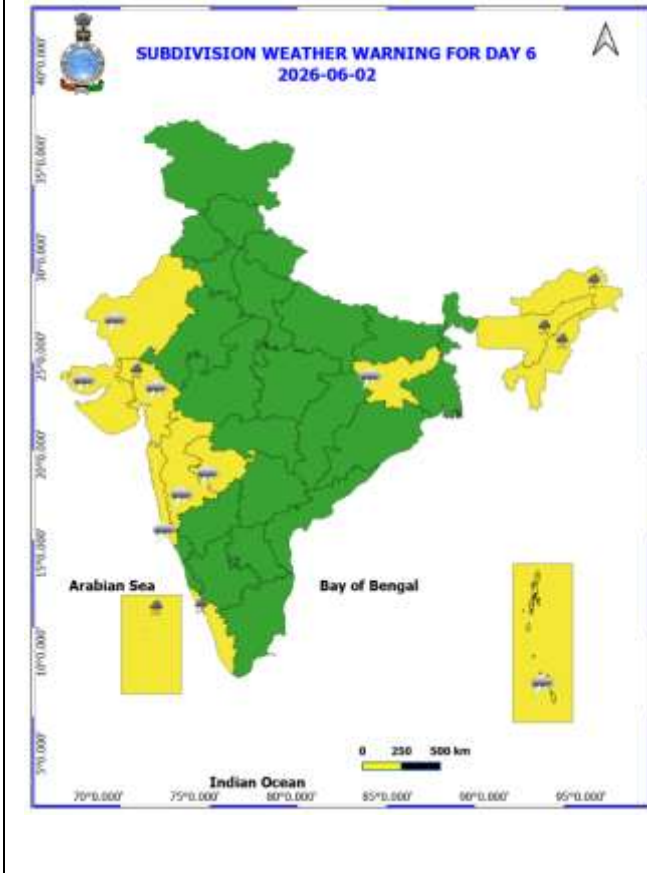
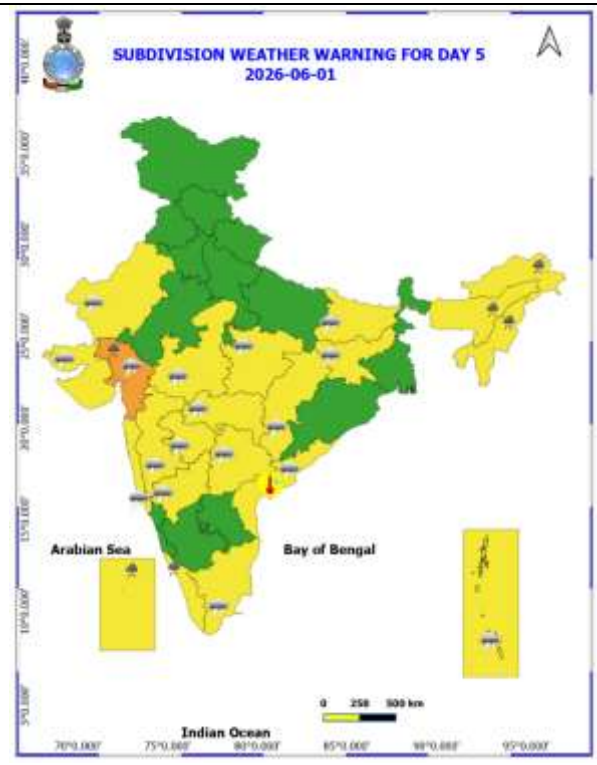
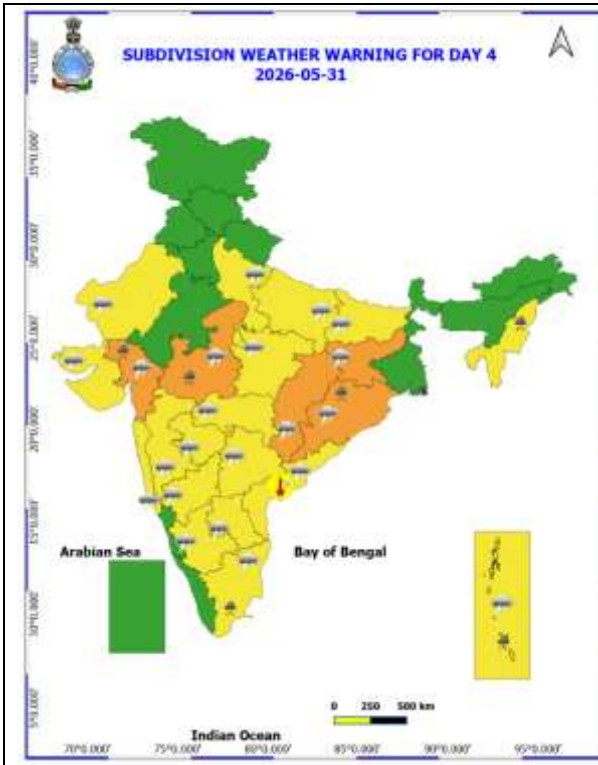


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	28- May	29- May	30- May	31- May	1- Jun	2- Jun	3- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W	W	W	W	W	W	W
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	W
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	W	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	W	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	SCT	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	W	FWS	FWS	W	W	W	SCT
36	LAKSHADWEEP	W	W	W	W	W	W	W

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

**28 मई से 31 मई 2026 तक दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान**

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C तक और न्यूनतम तापमान में 1-2°C तक मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 44-46°C और न्यूनतम तापमान 27-28°C के बीच रहा। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि दिल्ली के शेष हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति 20 किमी प्रति घंटा और 45 किमी प्रति घंटा तक रही, जो मुख्य रूप से साफ आसमान का संकेत है। आज सुबह के समय क्षेत्र में पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति 20 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है और आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान:

28.05.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो शाम/रात तक सामान्यतः बादल छा जाएंगे। दिन के दौरान 20-30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। शाम से रात तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली/धूल भरी आंधी और 50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40°C से 42°C के बीच रहने की संभावना है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 25 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

29.05.2026: आसमान सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के पहले तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली/धूल भरी आंधी और 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर से शाम के बीच भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण दिशा से 22 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 25 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

30.05.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति दोपहर से शाम तक 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

31.05.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (60-70 किमी प्रति घंटा, जो 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिससे धूल उड़ने की आशंका है।

- संभावित प्रभाव: पेड़ों की शाखाएं टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, पेड़ों की सूखी टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, शाखाओं के गिरने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान, तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।

- जन सुरक्षा सलाह: मौसम के अपडेट और बिगड़ती स्थितियों पर कड़ी नज़र रखें, घर के अंदर रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें, खिड़कियां और दरवाजे अच्छी तरह बंद रखें, सुरक्षित स्थानों पर शरण लें और खुले क्षेत्रों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें या कंक्रीट की दीवारों से न टिकें, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें, बिजली का संचालन करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

नागरिकों को सतर्क रहने और जान-माल के किसी भी नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा सावधानियों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

**छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:**

- ❖ 28 से 31 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में तेज़ हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज-चमक की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 और 29 मई को और पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान में 29 और 30 मई को; मध्य प्रदेश में 28 मई को; छत्तीसगढ़ में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

**संभावित प्रभाव:**

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

**सुझाए गए उपाय:**

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।

- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

### भारी/ बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 28 मई और 1 से 3 जून के दौरान, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 28 मई और 31 मई से 3 जून के दौरान, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 से 31 मई के दौरान, केरल और माहे में 28 से 29 मई और 1 से 3 जून के दौरान, लक्षद्वीप में 1 से 3 जून के दौरान, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 28 मई को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 29 से 31 मई के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 28 मई को, बिहार में 29 मई को, ओडिशा में 28 से 30 मई के दौरान, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 मई को, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 31 मई को और गुजरात क्षेत्र में 31 मई से 2 जून के दौरान छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

#### संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

#### सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

### ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अगले 48 घंटों के दौरान और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों के दौरान भीषण गर्मी की लहर जारी रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी।

#### ❖ रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

#### ❖ ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

#### ❖ येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

### प्रेस विज्ञप्ति के लिए इनपुट

(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

#### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेल्नेट या हेल्कैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

#### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अंडमान और निकोबार** में, खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई और पौधों की सुरक्षा के उपाय व उर्वरकों का प्रयोग कुछ समय के लिए टाल दें। खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **असम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलिथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, संतरे और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को शीघ्र निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मेघालय** में, साफ मौसम में केले के परिपक्व फलों की तुरंत तुड़ाई करें। मक्का, अदरक, सब्जी, केला और बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- **नागालैंड** में, बैंगन की रोपाई देरी से करें। पहले से ही रोपे गए पौधों, मक्का, सब्जियों और बागानों में और उसके आसपास उचित जल निकासी बनाए रखें।

- **मणिपुर** में, आवश्यक जल स्तर बनाए रखने हेतु धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बनाए। मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- **मिजोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) प्रदान करें।
- **त्रिपुरा**, परिपक्व बोड़ो धान की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- **बिहार** में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुवाई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- दक्षिणी आंतरिक **कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है—जिनमें उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गंगा-तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब शामिल हैं—वहाँ खड़ी फसलों की सिंचाई रोक दें और फसल के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

### **उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- **पंजाब** में कपास, सब्जियों और बागानों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में, गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में, मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।

- **ओडिशा** में - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - कोंकण क्षेत्र** में, मूंग, सब्जियों और नए लगाए गए सुपारी व नारियल के पौधों की सिंचाई करें। सब्जी और बागों की फसलों में वाष्पीकरण कम करने के लिए पुआल की मलच का इस्तेमाल करें, और नई लगाई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।
- **तेलंगाना** में, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

### तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

### किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; **बहुत भारी बारिश:** 115.6-204.4mm; **अत्यधिक भारी बारिश:** >204.4mm.

Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

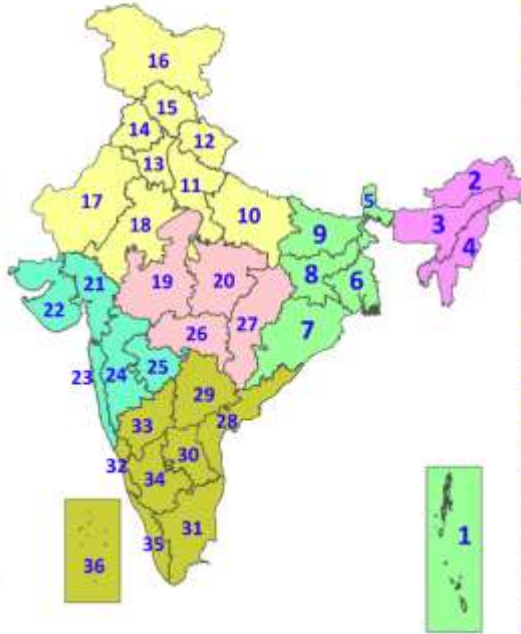
### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।

- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यन्नम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- |                      |                      |              |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog                  | Heavy Snow           | Cold Wave    |
| Heavy Rain           | Dust Storm           | Cold Day     |
| Very Heavy Rain      | Heat Wave            | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night           |              |
| Thunder & Lightning  | Hot Day              |              |
| Hailstorm            | Hot & Humid          |              |
| Dust Raising Winds   | Strong Surface Winds |              |

### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

### DEFINITION/CRITERIA

#### Rain/ Snow \*

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

#### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^\circ\text{C}$  for plains and  $\geq 30^\circ\text{C}$  for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^\circ\text{C}$ .

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $>4.5^\circ\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^\circ\text{C}$

#### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^\circ\text{C}$

Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $>6.4^\circ\text{C}$ .

#### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^\circ\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^\circ\text{C}$

#### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

#### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

#### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

#### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

#### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^\circ\text{C}$  ( over Plains)

#### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed  $>87$  kmph

#### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed  $>117$  kmph ( $>63$  knots) & Wave height  $>14$  metre

#### Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed  $>220$  kmph ( $>119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)